

100

7/12/20 पत्रावली पेश हुवे वहील-प्राची अफ.  
 अ.प्राचीजिण के विरुद्ध एक प्रकीर्ण कारनामा  
 की जा चुकी है वरस हुना ठाई पत्रावली  
 का अन्ततः पूर्वक अफवेकन किना अफवेकन  
 से प्राची का प्राचीन स्वीकार किना जाना  
 उचित तरीक होगा ही वाद के निर्यात  
 तक अरुथाई निवेद्याना एक प्राचीजि  
 विकट अ.प्राचीजिण इस आशय से जारी की  
 जाती है कि वाद गलत भूदि ख.न. 43/13  
 बीपा 08 बिस्वा, ख.न. 82/1, रकबा 15  
 ख.न. 93 रकबा 1 बिपा 18 बिस्वा मोजा गलत  
 मांडियाई कला तहकील रिबरी से प्राची के  
 एक-दिलसे ही कउजे काहर वाली भूदि में किनी  
 प्रकार की इखलंपाजी अ.प्राचीजिण न से स्वयं से  
 न ही किनी अन्त से कराकी मोजे एक राजल  
 रेकड की प्रकाशिकारि बनाए रखे। तथा किनी  
 प्रकार का निर्धार इल्फादि न करे। तथा किनी  
 प्रकार भुनाट होका भूल वाद के लिए  
 गवनी से

**पत्रावली**